ज़रा सोचो कि मैंने उसे मलबरी स्ट्रीट पर देखा!

डॉ. जॉयस

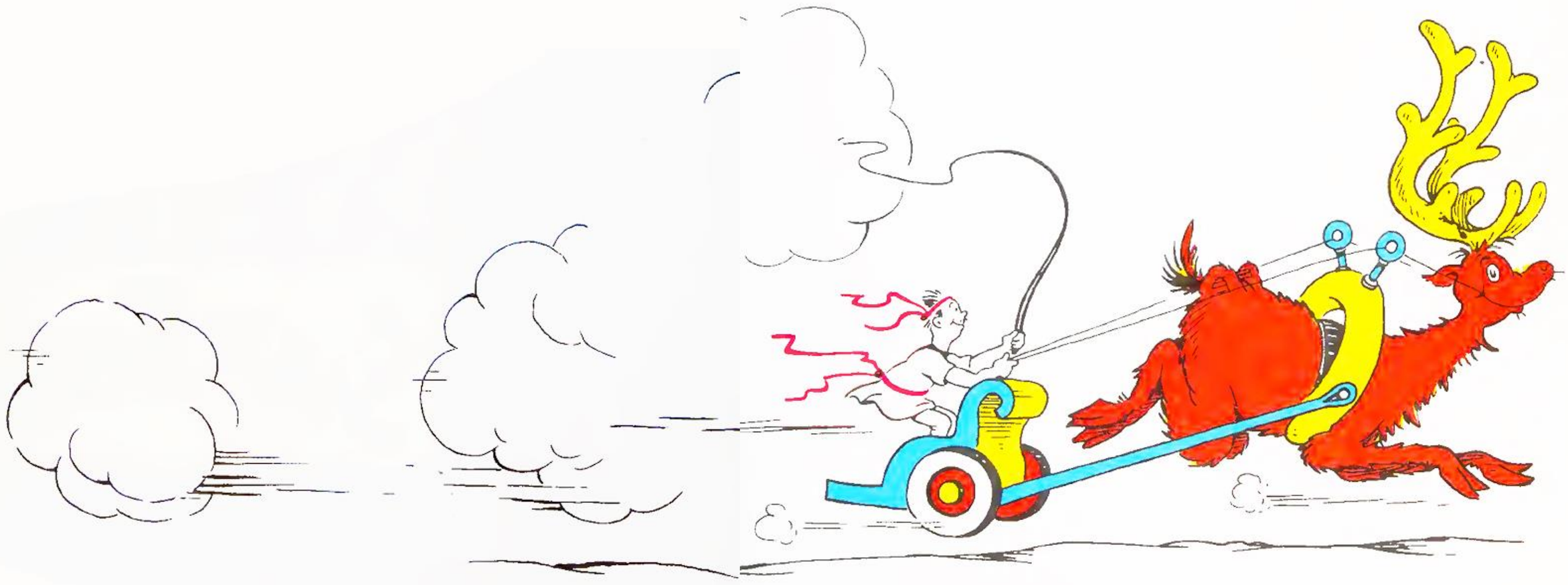

जब मैं स्कूल जाने के लिए घर से निकलता हूँ,
पिताजी हमेशा मुझसे कहते हैं,
"मार्को, अपनी आँखें खुली रखना
और वो सब कुछ देखना जो तुम देख सकते हो."

लेकिन जब मैं उन्हें बताता हूं कि मैं कहां था
और मैंने क्या-क्या देखा,
तो वो मेरी ओर देखते और सख्ती से कहते हैं,
"लगता है तुम्हारी कल्पना बहुत तेज़ है.
ऐसी अजीबोगरीब कहानियाँ सुनाना बंद करो.
छोटी मछलियों को, व्हेल में बदलना बंद करो."

फिर मैं आज क्या कहूंगा
जब मैं आज घर लौटूंगा?

स्कूल तक के पूरे लंबे रस्ते

और फिर से घर वापस आते वक़्त,

मैंने देखा, बड़े ध्यान से देखा

मैंने हर चीज़ पर कड़ी नज़र रखी,

लेकिन जो कुछ भी मैंने देखा,

मुझे उसमें कुछ ख़ास नजर नहीं आया

मुझे छोड़कर, मलबरी स्ट्रीट पर

सिर्फ एक घोड़ागाड़ी थी.

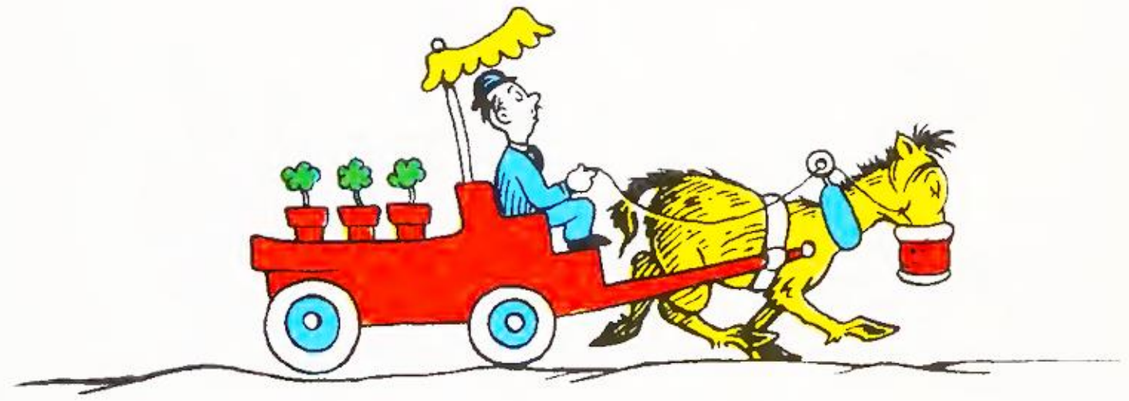

उसके बारे में बताने से क्या फायदा,

निःसंदेह उससे काम नहीं चलेगा

एक टूटी-फूटी घोड़ागाड़ी

से बिल्कुल भी काम नहीं चलेगा.

वह मेरी कहानी नहीं हो सकती. उसकी बजाए

मैं कहूंगा कि एक ज़ेबरा एक गाड़ी को खींच रहा था!

फिर वो एक ऐसी कहानी बनेगी जिसे कोई हरा नहीं पाएगा,

जब मैं कहूंगा कि मैंने उसे मलबरी स्ट्रीट पर देखा.

वैसे ज़ेबरा ठीक है,

लेकिन वो शर्म की बात होगी,

कि ज़ेबरा जैसा अद्भुत जीव

एक सादी गाड़ी को खींचे.

कहानी सुनने में तब बेहतर लगेगी

जब वो गाड़ी, एक सोने का रथ होगी

और उसे एक सारथी चला रहा होगा.

और वो रथ मलबरी स्ट्रीट पर

बिजली की तेज़ी से दौड़ रहा होगा!

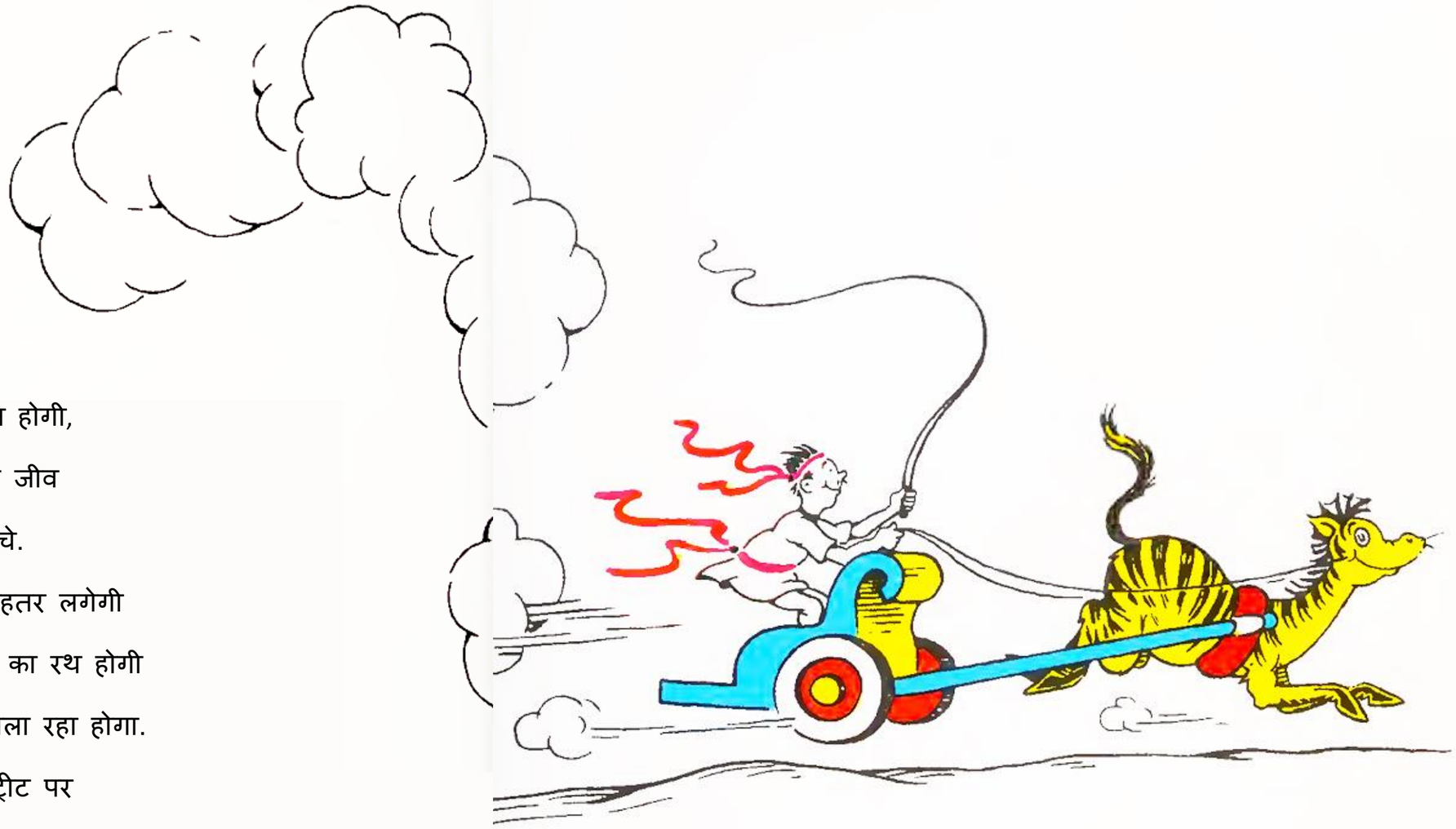

लेकिन, उससे भी बात नहीं बनेगी....

क्योंकि ज़ेबरा बहुत छोटा होगा

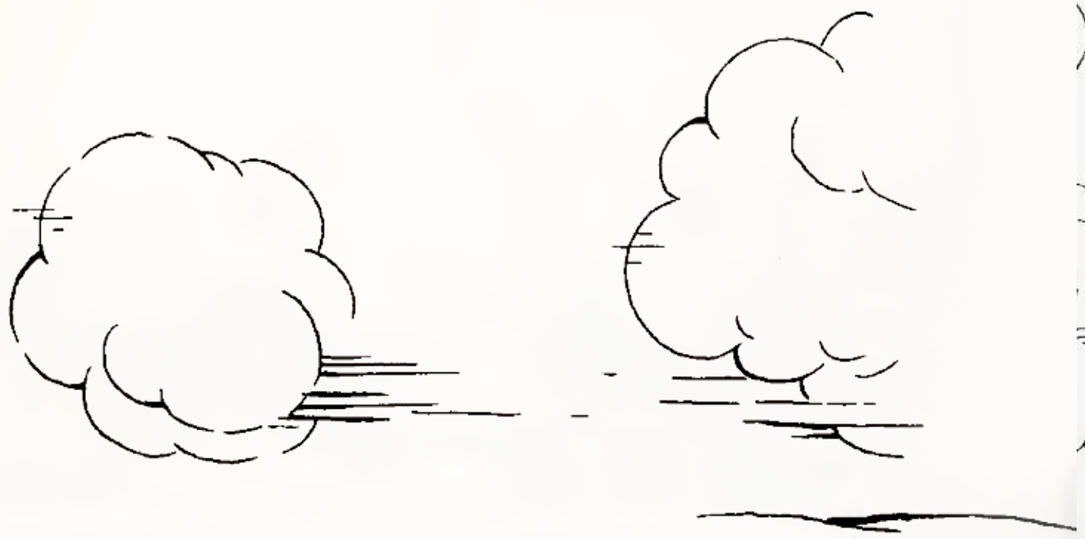

देखो, बारहसिंघा उससे कहीं बेहतर होगा

वह कहीं ज़्यादा तेज़ और बड़ा होगा.

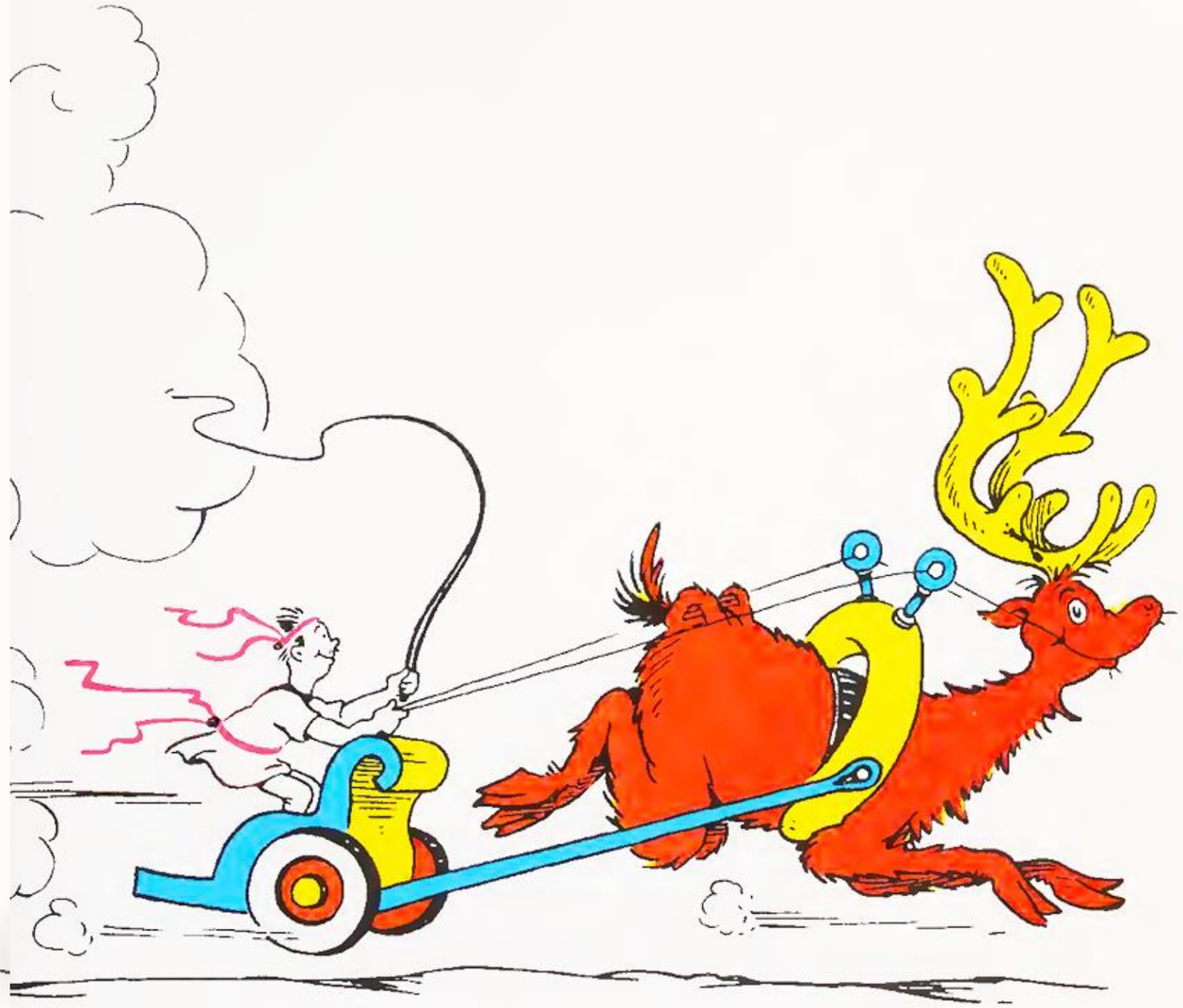

और वह बेहद आलीशान दिखेगा

पुरानी मलबरी स्ट्रीट पर.

लेकिन एक मिनट रुको!

लगता है कुछ गड़बड़ है!

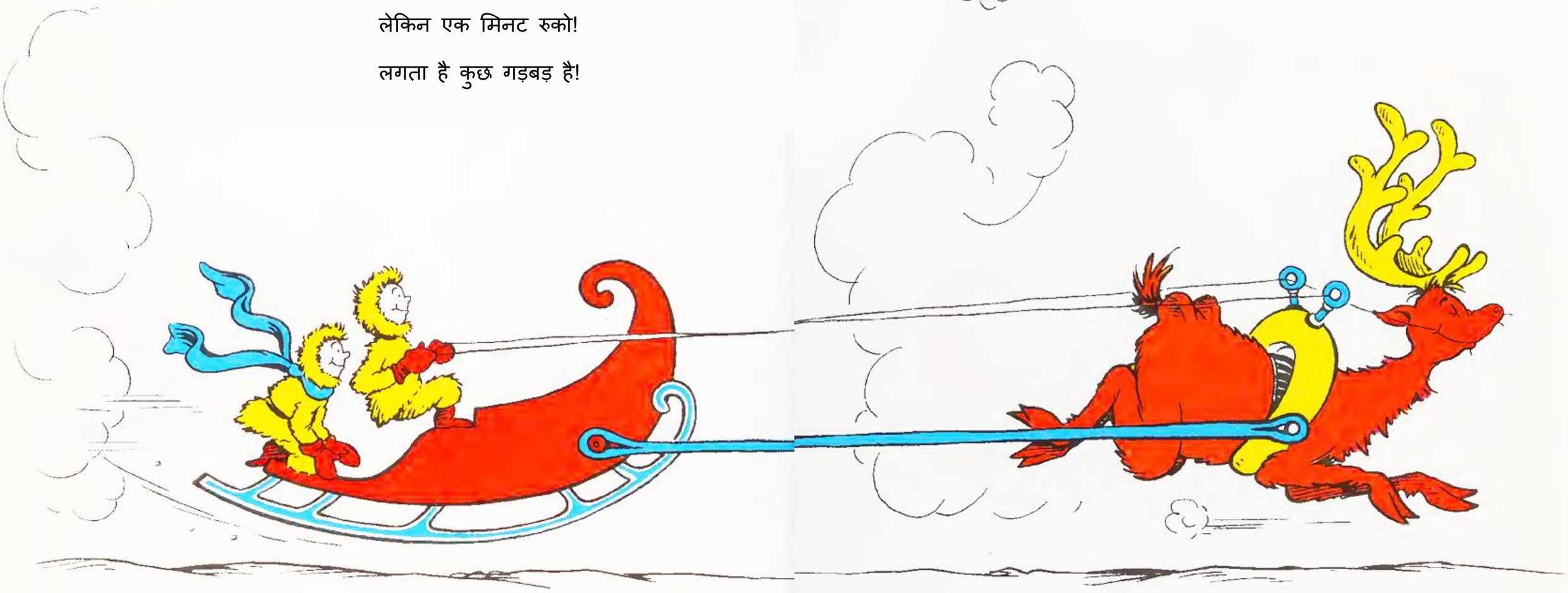

बारहसिंघा नफरत करता है

उसे पहियों वाली गाड़ी खींचना नापसंद है.

इसके बदले वो बहुत खुश होगा

एक फैंसी स्लेज खींचकर.

वाह... एक बारहसिंघा और बेपहियों की गाड़ी....

देखो, उसके बारे में कोई भी सोच सकता है,

जैक या फ्रेड या जोज़ या नेट

देखो जेन भी ऐसा सोच सकती है.

मैं भरपूर शक्ति और डीलडौल वाला हाथी चुनूंगा,

नीला हाथी जिसकी आँखों में भरपूर मज़ा होगा.

फिर, मैं उसे बस थोड़ा सा और संवार दूंगा,

माणिकों से सजे राजा को, उसके सिंहासन पर बिठा दूंगा.

लेकिन एक छोटी बदल करने में हमें देर नहीं करनी चाहिए.

हमें उस बेपहियों वाली गाड़ी में एक हाथी जोड़ देना चाहिए.

फिर वो एक ऐसी कहानी बनेगी जिसे कोई हरा नहीं सकेगा,

जब मैं कहूंगा कि मैंने उसे मलबरी स्ट्रीट पर देखा था.

लेकिन अब मुझे वो भी ठीक नहीं लगती...

मुझे वो बिल्कुल भी सही नहीं लगती.

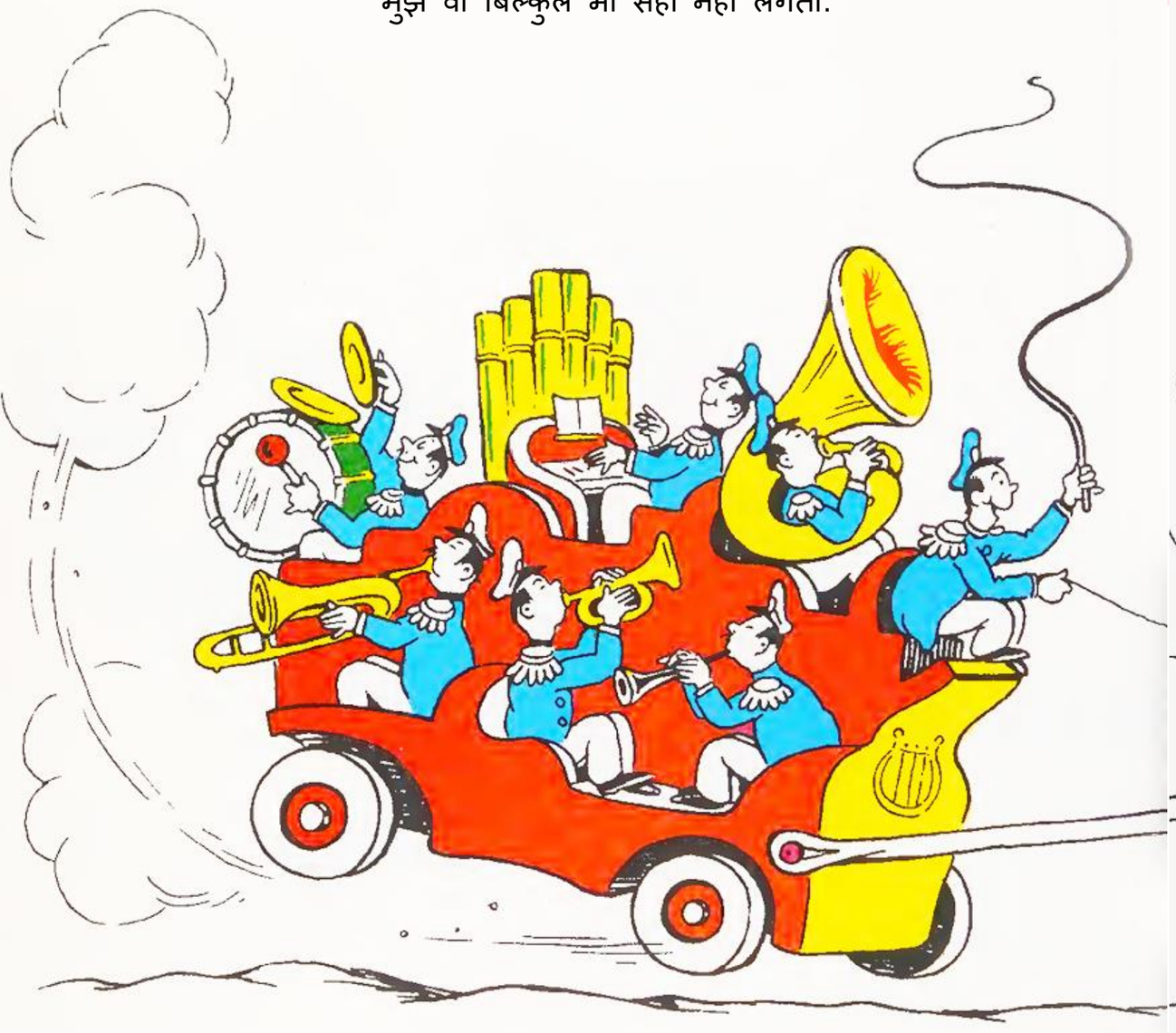

अगर हाथी किसी बड़ी हल्की चीज़ को खींचेगा

तो वो पतंग की तरह हवा में इधर-उधर घूमेगी.

लेकिन हाथी एकदम भव्य दिखेगा

शादी-बरात वाले बैंड-बाजे के साथ!

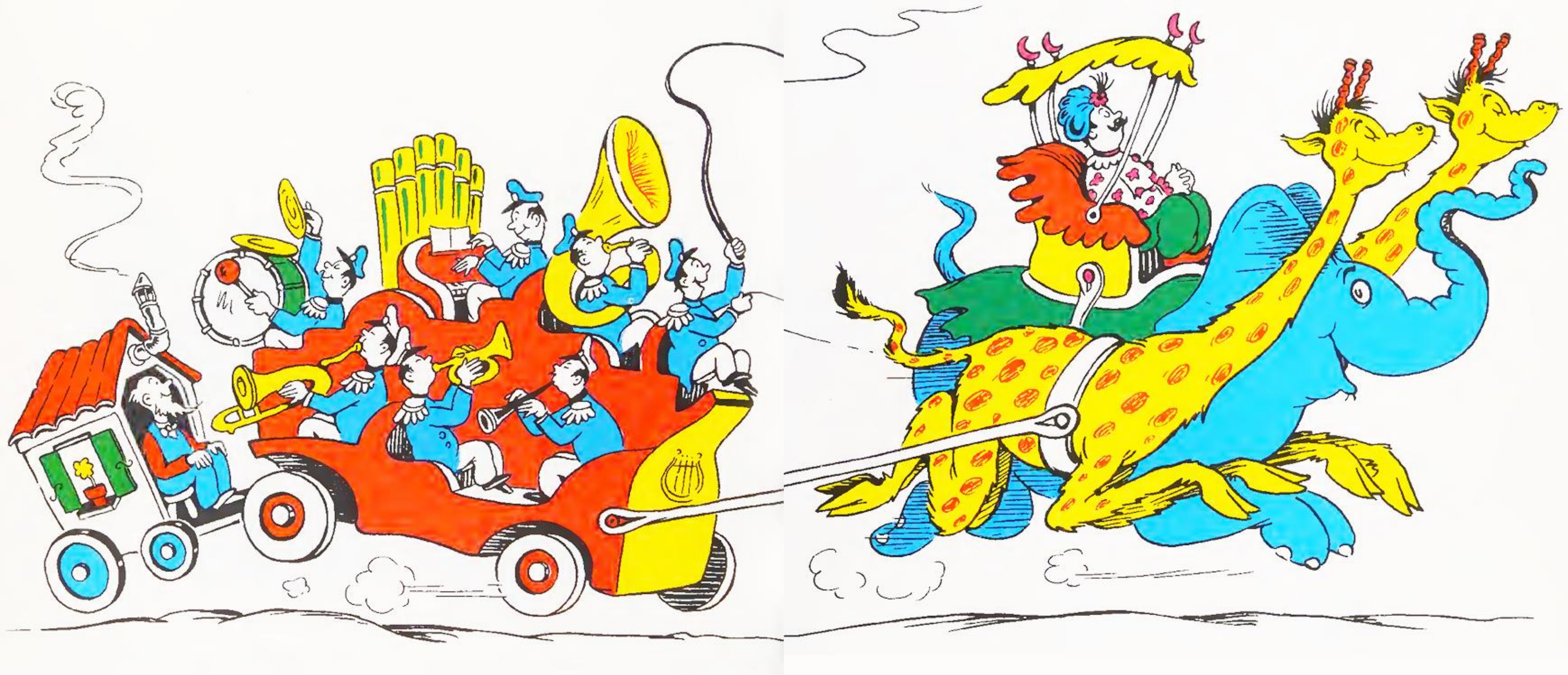

बैंड इतना अच्छा होगा कि उसे हर कोई सुनना चाहेगा

वो इतनी तेजी से बढ़ रहा होगा कि उसके पास रह पाना मुश्किल होगा.

इसलिए, मैं एक ट्रेलर लगाऊंगा! उससे किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी

अगर कोई आदमी पीछे बैठे हुए बैंड-बाजे को सुनेगा.

लेकिन क्या यह उचित होगा? क्या मैंने जो किया क्या वो ठीक होगा?

मैं शर्त लगा सकता हूं कि उन वैगनों का वजन एक टन से अधिक होगा.

वो किसी जानवर के लिए वाकई में बहुत भारी होंगी,

उसे जरूर कुछ मददगार चाहिए होंगे.

उसे कम-से-कम उसे दो की और जरूरत होगी.

लेकिन फिर मुझे इस बात की चिंता होगी...

मलबरी स्ट्रीट पर बड़ा हंगामा चल रहा होगा,

अगर मैं कुछ ठीक नहीं करूंगा,

तो वहाँ एक भयानक ट्रैफिक जैम होगा!

ट्रैफिक को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस की जरूरत पड़ेगी

भारी ट्रैफिक को संभालने के लिए पुलिस की ज़रुरत पड़ेगी

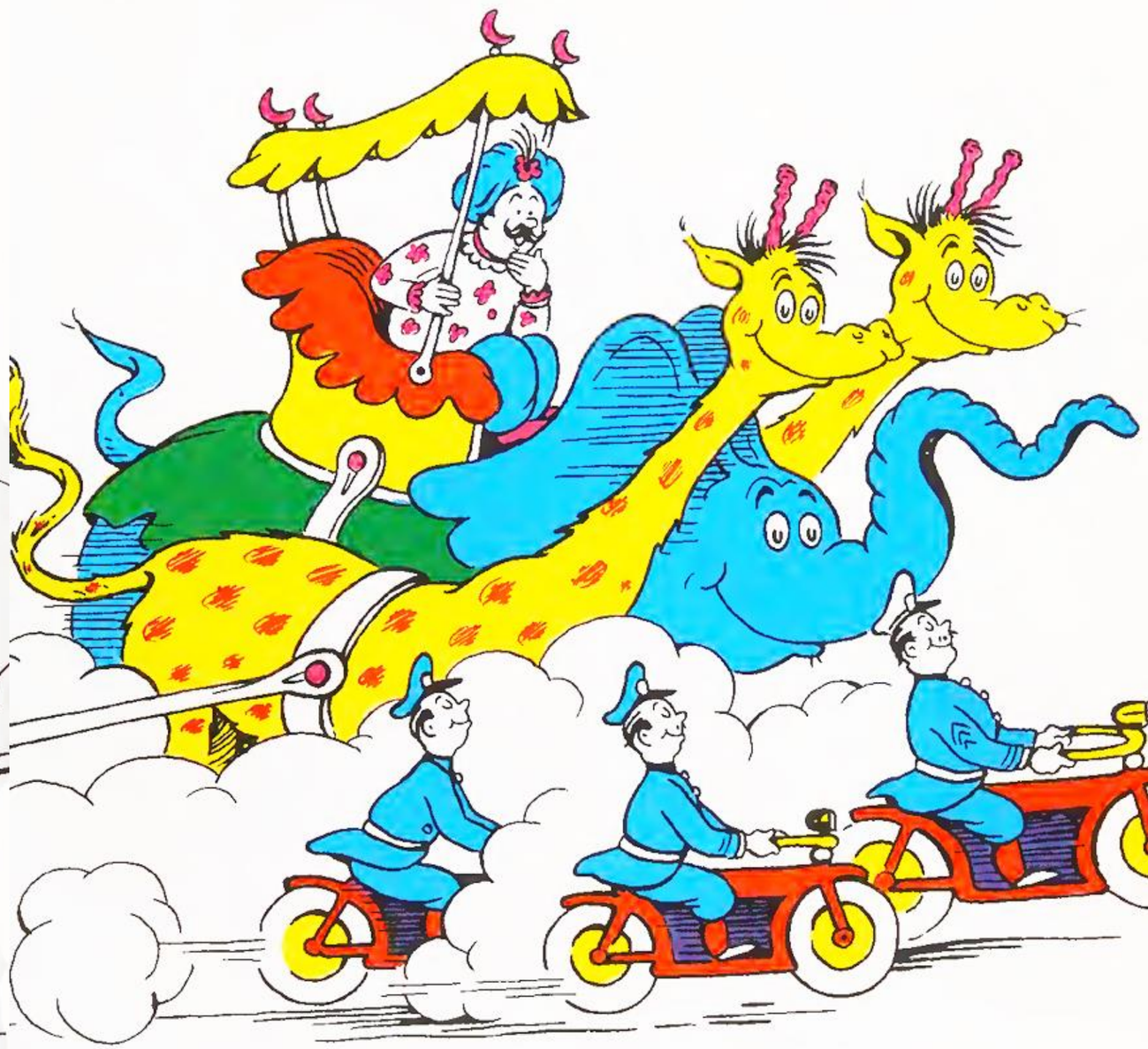

वे अब कभी दुर्घटनाग्रस्त नहीं होंगे. वे तेज़ गति से दौड़ेंगे

खुद सार्जेंट मुलवेनी उनमें सबसे आगे होंगे.

मेयर वहां पर हैं

अन्य प्रमुख लोग भी हैं,

वे लाल, सफ़ेद और नीले रंग के

बड़े-बड़े बैनर लहरा रहे हैं

मेयर वहां होंगे

और उन्हें वो भव्य लगेगा,

वो अपनी टोपी उठाएंगे

जैसे ही वे स्टैंड के सामने से गुज़रेंगे.

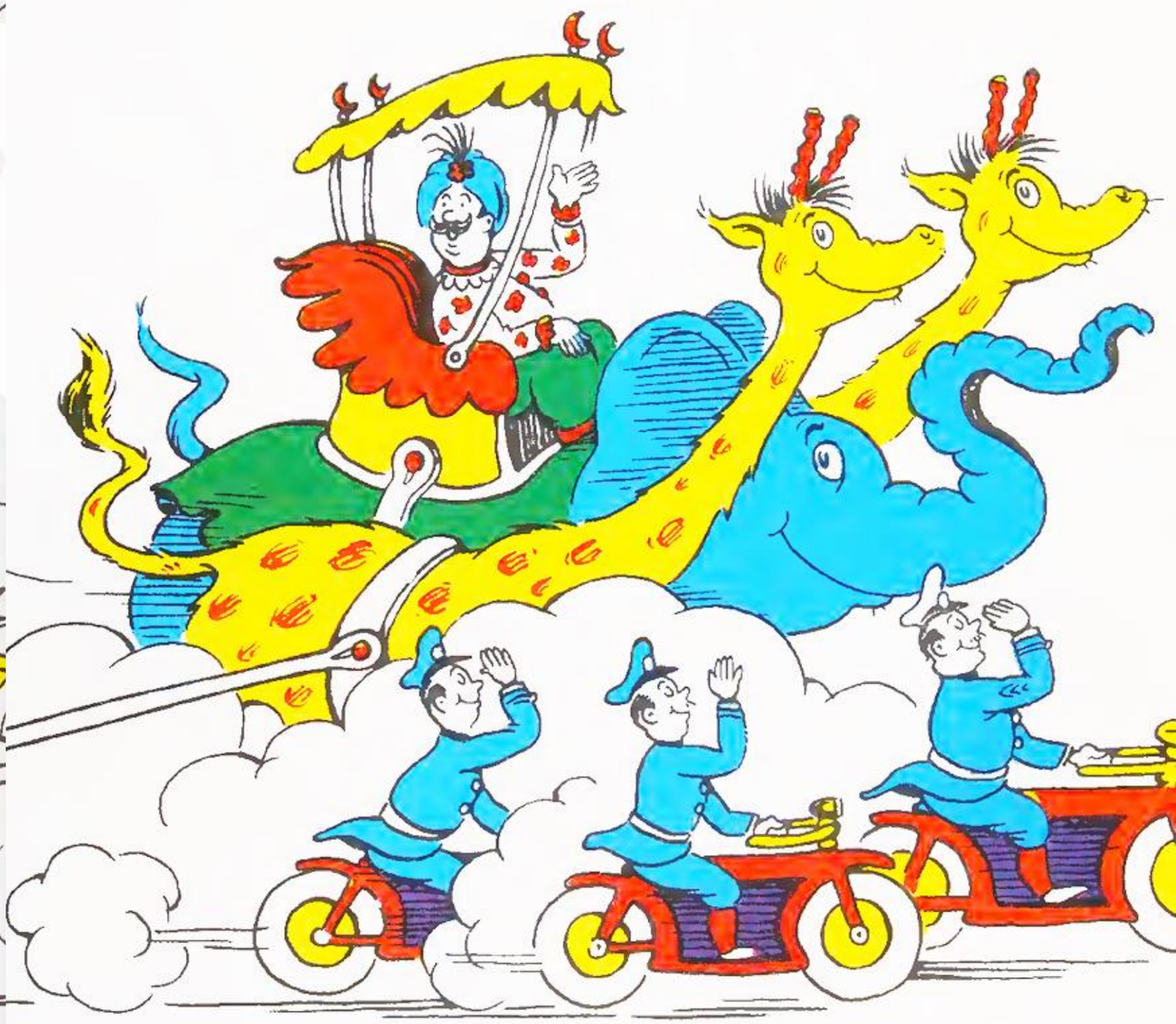

और वो एक ऐसी कहानी होगी जिसे कोई हरा नहीं सकेगा

जब मैं कहूंगा कि मैंने उसे मलबरी स्ट्रीट पर देखा था!

उस मोटर की गड़गड़ाहट के साथ एक हवाई जहाज़ दिखेगा
वो कन्फ़ेट्टी फेंकेगा और नीचे खड़े लोग जय-जयकार करेंगे.

और फिर एक ऐसी कहानी बनेगी जो वास्तव में बुरी नहीं होगी!
लेकिन वो उससे भी बेहतर हो सकती है. अगर मैं उसमें जोड़ूं...

...एक चीनी आदमी
जो चॉपस्टिक्स से खाता है...

एक बहुत बड़ा जादूगर
जो करतब दिखलाता है...

दस फुट की दाढ़ी
जिसे कंघी की जरूरत है...

अब ज़्यादा समय नहीं बचा है,
मैं लगभग घर के पास हूं.

फिर मैं कोने से घूमा

और गेट के होकर दौड़ा,

मैं सीढ़ियों के ऊपर चढ़ा

और मुझे बहुत अच्छा लगा!

क्योंकि मेरे पास एक ऐसी कहानी थी जिसे कोई हरा नहीं सकता था!

और ज़रा सोचो की मैंने उसे मलबरी स्ट्रीट पर देखा था!

पिताजी ने काफी शांति से कहा,

"आओ अपने स्टूल पर बैठो

और मुझे वो सब चीज़ें बताओ

जो तुमने स्कूल से घर जाते समय देखी थीं."

बताने के लिए इतना कुछ था, इसलिए मैं अपनी बात शुरू तक नहीं कर पाया!

पिताजी ने मुझे टेढ़ी निगाहों से देखा, लगता है, लगता है उन्हें गुस्सा था आया.

अपनी सीट पर बैठे हुए उन्होंने मेरी ओर सख्ती से देखा,

"क्या वहां देखने लायक कुछ भी नहीं था... हेलो कहने के लिए कोई लोग नहीं थे?

क्या तुम्हें किसी चीज़ से उत्साहित नहीं हुए कुछ देखकर तुम्हारा दिल नहीं धड़का?"

"कुछ नहीं," मैंने चुकंदर की तरह लाल होते हुए कहा,

"मलबरी स्ट्रीट पर देखा मैंने एक सादा घोड़ा और छकड़ा."